ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल

पंजीकृत संस्थान

सन 2022, संवत-2079

'सौभाग्यम्'

श्रद्धांजलि विशेषांक

ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक : **ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी**

संपादक: **ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम**

आकल्पन : शनिदेव ग्राफिक्स, भोपाल
मो. 9926980190

सर्वाधिकार सुरिक्षत 'सौभाग्यम्': ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल द्वारा प्रकाशित 'सौभाग्यम्' में मुद्रित विषय वस्तु या उसके अंश प्रकाशक की बिना लिखित अनुमति के छपवाना अथवा प्रकाशन करना अपराध है। ऐसी स्थिति में कापीराइट एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। सभी प्रकार के विवादों का निपटारा भोपाल के सभी सक्षम न्यायालयों में होगा।

प्रकाशक : **ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल**

: ज्योतिष मठ संस्थान, ईएम-129, नेहरू नगर, भोपाल-462003 मो. : 9827322068, email-pt.vinodgoutam@gmail.com, website-www.jyotishmath.com

ॐ गुरुदेवाय नमः

सम्पादकीय

'सौभाग्यम्' स्मारिका संस्थान के प्रमुख प्रकाशनों में अपना विशेष महत्व रखती है। पत्रिका का प्रकाशन प्रतिवर्ष होता है। इस वर्ष संक्रमणकाल के कारण पत्रिका के प्रकाशन में विलंब हुआ। यह अंक संस्थान के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी को पुण्य श्रद्धांजलि विशेषांक के रूप में प्रस्तुत कर पाने में आप सभी के सहयोग का आभारी हूं। जिन्होंने अपना अमूल्य समय गुरुजी के सानिध्य में दिया। गुरुजी से संबंधित सभी छायाचित्र, संस्मरण जो संस्थान के पास उपलब्ध हुए उनको आपकी गरिमा के अनुरूप पत्रिका में व्यवस्थित करने की कोशिश की है। फिर भी कोई चित्र संस्मरण प्रस्तुत नहीं हो पाया हो इसके लिए करबद्ध क्षमा चाहते हुए पुनः सौभाग्यम् के अग्रिम प्रकाशन में प्रकाशित करने का हमारा प्रयास रहेगा। आज हम सब 'सौभाग्यम्' के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

-ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम

संस्थापक
ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी

पदाधिकारी - ज्योतिष मठ संस्थान

अध्यक्ष-**श्रीमती भूपिन्दर कौर**
उपाध्यक्ष-**डॉ. जेपी पॉलीवाल**
संचालक-**ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम**
कार्यालयाध्यक्ष-**ज्योतिषाचार्य पं. शिवार्चन शुक्ल**
कोषाध्यक्ष-**ज्योतिषी श्रीमती सविता गौतम**
कार्यकारिणी सदस्य - **पं. जितेन्द्र शर्मा, श्री अकुंर फर्नांडीज, श्री सुबोध मिश्रा, श्री निरुपण तिवारी, श्री राजेश पाठक, श्री अशोक प्रियदर्शी, श्री ओम प्रकाश मिश्रा, श्री संजय भदौरिया, श्री सुरेश नामदेव, श्री ऋषभ दुबे, श्री आशीष कश्यप**

संरक्षक मंडल

मप्र पूर्व चीफ जस्टिस मा. श्री डीपीएस चौहानजी, इलाहाबाद
जस्टिस मा. श्री अशोक तिवारीजी, इंदौर,
न्यायाधीश मा. श्री एसएन द्विवेदीजी, भोपाल
न्यायाधीश मा. श्री एसएस उपाध्यायजी, भोपाल
विश्व प्रसिद्ध जादूगर श्री आनंद अवस्थीजी, जबलपुर
महामंडलेश्वर अवधूत बाबा श्री अरुण गिरि महाराजजी
अंतरराष्ट्रीय संत मन्नत बाबा श्री हनुमतश्री महाराज
महंत श्री चंद्रमादास त्यागीजी, गुफा मंदिर भोपाल
महंत श्री रविंद्रदासजी, बगलामुखी सिद्धपीठ भोपाल
ज्योतिषाचार्य पं. गौरीशंकर शास्त्रीजी, भोपाल
महामंडलेश्वर शिवांगीनन्दन नन्दगिरिजी, ऋषिकेश
पं. श्रीराम जीवन दुबे गुरुजी, चामुंडा दरबार भोपाल
पं. श्री नारायणशंकर नाथूराम व्यासजी, जबलपुर
डॉ. पीएनएस चौहानजी, भोपाल
श्री वीएम तिवारीजी भोपाल
ज्योतिषाचार्य पं. सूर्यकांत चतुर्वेदीजी, जबलपुर
श्रीमती भावना वालंबेजी आईएएस, भोपाल
श्री शलभ भदौरियाजी, वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल
सुश्री अनुराधा त्रिवेदीजी, वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल
राष्ट्र संत श्री नित्यानंदगिरिजी महाराज, वृंदावन
धर्माधिकारी श्री विष्णु राजौरियाजी, भोपाल
श्री चंद्रप्रकाश जोशीजी, कोटरा भोपाल
श्री राजेश मिश्राजी पुष्पांजलि पंचांग, भोपाल
श्री अभिनवदासजी महाराज, कोटा
आचार्य पं. बालाप्रसादजी त्रिपाठी, (हरदुआ) जबलपुर

सलाहकार

डॉ. अनिल शर्माजी, आचार्य पं. रामकिशोर वैदिकजी, पं. धनेश प्रपन्नाचार्यजी, पं. वैभव भटेलेजी, श्री देवकुमार सतवानीजी, पं. देवेंद्र दुबे, श्री बलवीर सिंह कुशवाह

ज्योतिषाचार्य पंडित अयोध्या प्रसाद गौतमजी को

हम सबकी श्रद्धांजलि

चेतन्य अवस्था का अंतिम पवित्र दर्शन। स्वर्गारोहण से चार दिन पूर्व यज्ञ क्रिया संपन्न करते हुए।

जय गुरुदेव।

दुनिया जानती है कि पन्ना की पावन भूमि में हीरे मिलते हैं। बस फर्क इतना है कि कोई हीरा कंकड़ है तो कोई कला कौशल ध्यान और ज्ञान से परिपूर्ण है। इन्हीं में से एक हैं आप प्रदेश के गौरव और देश के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम। सचमुच में आप पन्ना के अनमोल हीरा हैं। आप प्राचीन ज्योतिष के ज्ञाता पंडित रामरूपजी गौतम के घर-आंगन में माता श्रीमती रामसखी गौतमजी की पवित्र कोख से श्यामर डांडा-पन्ना में जन्मे और ज्योतिष की ज्योति जलाकर समूचे मानव समाज को जागृत कर दिया। आपका ज्योतिषीय ज्ञान अद्‌भुत है। आपने अपने बचपन में स्कूली शिक्षा ग्रहण करने के बाद वेदभूमि वाराणसी जाकर कर्म-कांड, ज्योतिष तंत्र का गहन ज्ञान प्राप्त कर सनातन धर्मावलंबियों का भला किया। आप अखिल भारतीय ज्योतिष परिषद, भारतीय ज्योतिष तंत्र महासंघ से लेकर अनेक ज्योतिष, धार्मिक व सामाजिकों संगठनों के शीर्ष पदों पर शोभा बढ़ाते रहे हैं। आप ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी द्वारा ज्योतिष मार्तण्ड की उपाधि से विभूषित हो चुके हैं। ज्योतिष ज्ञान में आपकी चर्चा एक चमत्कारी भविष्यवक्ता संत के रूप में होगी। ज्योतिष के संदर्भ में आपकी राय जानने देश की अनेक राजनीतिक व न्याय क्षेत्र से जुड़ी विभूतियां आपके पास आती रही हैं। यही नहीं विदेशी मूल के लोग भी आपकी ज्योतिष से प्रभावित रहे हैं और आपसे ज्योतिषीय राय लेने भारत आते थे। आप प्राचीन समाचार पत्र देशबंधु के राशिफल लेखक रहे हैं, पंचांग निर्माण के क्षेत्र में आप वाराणसी के पंचांग तथा जबलपुर एवं भोपाल से प्रकाशित अधिकांश पंचांगों की सटीक गणना कर भविष्यवाणी करते थे। इसी तरह की ज्योतिषीय उपलब्धियों के चलते आपके जीवनकाल से जुड़े हुए हजारों जातकों की विशेष इच्छा पर आपने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में ज्योतिष मठ संस्थान की स्थापना की। आपके अचानक परलोग गमन से संस्थान के अनुयायियों, शिष्यों को अपूर्णीय क्षति हुई है। संस्थान आपके कृत- संकल्पों पर कार्य करता रहेगा। संस्थान में नुसंधान निरंतर जारी रहेगा। हम सभी भक्तजन आपके आशीर्वाद की कामना करते हुए आपको श्रद्धेय विनम्र भक्तिपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से आपके पुनर्जन्म की प्रार्थना करते हुए आपको नमन करते हैं।

- ज्योतिष मठ संस्थान परिवार

पन्ना के हीरा थे गौतमजी

पंडितजी से मिलने के पश्चात मुझे एक संरक्षक मिल गया था। जो कि अब इस दुनिया में नहीं है। मैं उनको बारंबार प्रणाम करती हूं। मैंने कई बार उनके दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गृह ग्राम श्यामा डांडा में जाकर पूजा-अर्चना के साथ गुरुजी के साथ भोजन करना हमेशा याद रहेगा। जीवन में उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन से मुझे बहुत लाभ हुआ है। ज्योतिष के क्षेत्र में उनसे ज्यादा ज्ञानी पुरुष मुझे आज तक नहीं मिला। वे ज्ञान की खान थे, पन्ना के हीरे थे, और हमारे गुरुदेव थे। मैं उनसे राजा भरत सिंह नगर पालिका अध्यक्ष पन्ना जो कि उनके शिष्य हैं उनके माध्यम से मिली थी। बाद में मैं कई बार पंडितजी से विचार-विमर्श करने हेतु पंडितजी के पास उपस्थित हुई। उनके द्वारा बताई गई बातें मेरे जीवन में अक्षरत: सत्य साबित हुईं। आगे भी उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर प्रतिदिन उन्हें स्मरण करती हूं। ऐसे देव पुरुष के स्मरण मात्र से ही मुझे बहुत शांति मिलती है। वो भूलने के लिए नहीं, बल्कि दैनिक स्मरण करने के लिए हैं। मेरा मानना है कि जो भी उन्हें सच्ची श्रद्धा से स्मरण करेगा उनके सभी प्रकार के कार्य एवं मनोकामना पूर्ण होगी। जय गुरुदेव।

- महारानी दिलहर कुमारी, राजमाता पन्ना

हस्तरेखा देखकर बताया आगे वही हुआ

विगत 15 वर्षों से ज्योतिष मठ संस्थान सं जुड़ा हुआ हूं। पेशे से पत्रकार तथा संस्थान के सहयोगी प्रकाशन धर्म नगरी का प्रधान संपादक भी हूं। संस्थान में गुरुजी के दर्शन एवं ज्ञान प्राप्ति का सौभाग्य सदैव प्राप्त हुआ। यह मेरा सौभाग्य था कि आपके मार्गदर्शन में मुझे मेरा खोया हुआ पुत्र रत्न प्राप्त हुआ। विगत आठ वर्ष पूर्व मेरे आठ वर्षीय पुत्र के अचानक निधन के पश्चात मेरे मन मस्तिष्क में अनेक प्रकार के नकारात्मक विचार घर करने लगे थे, लेकिन गुरुजी ने अपना अमूल्य समय देकर मुझे एक दिन मुहूर्त एवं समय देकर हस्त रेखा परीक्षण के लिए बुलाया और लगातार दो घंटे तक मेरी हस्तरेखा परीक्षण करने के बाद मुझे आशीर्वाद स्वरूप बताया कि आपका खोया हुआ बालक आपको पुन: वर्ष 2016 में प्राप्त होगा। इस एक उत्तर से मुझे मेरे अनेकों प्रश्नों के समाधान प्राप्त हो गए। और मैं होसले से आगे बढ़ता गया। गुरुजी के आशीर्वाद के फलस्वरूप मुझे 2016 में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह मेरे लिए खोए हुए भाग्य को पुन: तलाश कर मुझे प्राप्ति कराने में गुरुजी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। यह जन्म जन्मांतर तक मुझे ऋणी रखेगा। मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा जो मुझे पुत्र रत्न देकर जीवन जीने का सुख प्रदान किया।

- राजेश पाठक, संपादक धर्म नगरी

गौतमजी अंतरराष्ट्रीय अध्यात्मिक गुरु थे

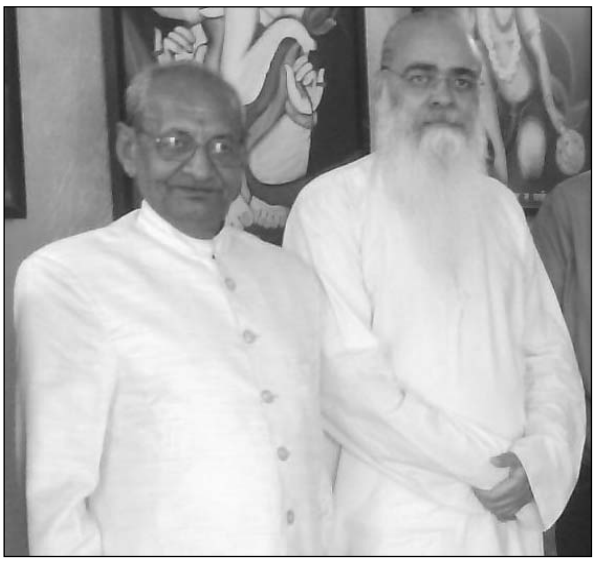

पंडितजी से मैं विगत 20 वर्षों से जुड़ा हुआ हूं। अध्यात्म के क्षेत्र में रहने के कारण मुझे अध्यात्मिक व्यक्तियों की तलाश रहती थी। ऐसे में पंडितजी की शिष्या सुश्री अनुराधा त्रिवेदीजी जो कि महिला पत्रकार संघ मध्यप्रदेश की अध्यक्ष हैं, उन्होने मुझे पंडितजी के बारे में जानकारी दी। पश्चात ज्योतिष मठ संस्थान में पंडितजी से मिला, उनके स्वभाव एवं व्यक्तित्व से मैं बहुत प्रभावित हुआ। ज्योतिष के क्षेत्र में उनके द्वारा बताए गए सिद्धांत एवं सूत्र अचंभित करने वाले थे। मैं उनसे जुड़ता गया। वे हमारी सभाओं में अक्सर आमंत्रित रहते थे तथा जब भी उन्हें समय मिलता था तो हमारे आश्रम भेंट करने अवश्य आते थे। उनके तंत्रज्ञान का प्रभाव भी देखने को मिला। मैंने कई बार उनको परखने के उद्देश्य से गूढ़ रहस्यात्मक प्रश्न भी किए। जिसका उन्होंने सहज एवं सरल ढंग से तक्षण, सटीक उत्तर दिया। मेरी जन्म पत्रिका उनके द्वारा विस्तृत रूप से तैयार की गई है। जिसमें पूर्व एवं भविष्य की जानकारी लिखी है। वह अक्षरत: सत्यता की ओर अग्रसर है। ऐसे महापुरुष पृथ्वी पर बार-बार अवतार नहीं लेते। उनका परलोक गमन हम सबके लिए बहुत ही हानिप्रद है। खासकर ज्योतिष जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है। अंतिम समय में जब मैंने उनसे पालीवाल हास्पिटल में आईसीयू में मुलाकात की तब भी मुझे वही ऊर्जा वही तेज दिखाई दिया। और उन्होंने मुझे इशारे से कहा कि अब समय आ गया है। अब जाना पड़ेगा। परन्तु मैं मानता हूं कि वो कहीं नहीं गए, वे हम सबके बीच में ज्ञान रूप में उपस्थित हैं।

-विश्व प्रसिद्ध अध्यात्मिक संत 1008 श्री मन्नत बाबा, हनुमतश्री

पंडितजी से मेरी पहली मुलाकात प्रसिद्ध जादूगर आनंद के माध्यम से हुई थी। आपका ज्योतिषीय ज्ञान को देखकर मैं आकर्षित हुई और जीवन से जुड़े हर कार्य में उनसे ज्योतिषीय राय लेने लगी। परिणाम स्वरूप मुझे हर कार्य में सिद्धि अनुभव हुई। और आपके बारे में मैं यही कह सकती हूं कि आप देश के प्रसिद्ध ज्योतिषियों में से एक थे। ज्योतिष मठ संस्थान के स्थापना दिवस के समय मैं मुंबई से भोपाल गई थी। उन्होंने मुझे अपनी पुत्री स्वीकार करते हुए पूर्ण आशीर्वाद प्रदान किया जिससे मुझे सभी प्रकार से सुख प्राप्त हुआ। उनकी याद हमेशा बनी रहेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

कृष्णा सिंह, फिल्म सेट डिजायनर, मुंबई

मैं ज्योतिषाचार्य गौतमजी को 20 वर्षों से जानता था। उनके ज्योतिष ज्ञान से मैं अत्यंत प्रभावित था। ज्योतिष मठ संस्थान में बैठकर आप लोगों को ज्योतिष का अच्छा लाभ प्रदान करते थे। हम जब भी किसी तरह के व्यापार आदि जो भी कार्य प्रारंभ करते थे उसमें पंडितजी की ज्योतिषीय सलाह लेना नहीं भूलते थे। आपके मार्गदर्शन में किए गए व्यापारिक तथा पारिवारिक कार्य हमेशा पूर्ण सफल रहते थे। उनके नहीं रहने पर हम अपने आपको अधूरा महसूस कर रहे हैं। मुझे उनके चरणों का आशीर्वाद प्राप्त हो यही कामना है।

-प्रदीप सर्राफ, उद्योगपति, भोपाल

अयोध्या प्रसाद गौतमजी देवपुरुष थे

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस रहने के दौरान पंडितजी से मेरी मुलाकात हुई। मैं उनसे बहुत प्रभावित हुआ। उनका ज्ञान उच्च कोटी का था। ज्योतिष के क्षेत्र में उनका कोई विकल्प नहीं है। मैं पारिवारिक रूप से उनसे कई वर्षों तक जुड़ा रहा। साथ में यात्राएं कीं। एक बार पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के लिए अनुष्ठान हेतु भोपाल गया वहां पंडितजी द्वारा किए गए विधिपूर्ण अनुष्ठान से मैं बहुत प्रभावित हुआ। मैं भी समय-समय पर उनसे पूजा-अनुष्ठान करवाता रहा एवं पारीवारिक सदस्यों के साथ अपने विषय में मार्गदर्शन भी प्राप्त करता रहा। उनके बताए मार्ग पर चलकर मुझे कभी परेशानी नहीं हुई, बल्कि मेरा मार्ग प्रशस्त होता रहा। एक बार उनके साथ दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में 6 अक्टूबर 2002 को उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावतजी को आशीर्वाद प्रदान करने गया। वहां पर उनकी सरलता एवं सहजता देखकर मैंने मान लिया कि ये मनुष्य योनि में कोई देव पुरुष ने अवतार लिया हैं, क्योंकि उनकी वाणी रहन-सहन, क्रिया-कलाप, आचार-विचार, नियम-संयम सब देवताओं जैसे ही थे। उनका दिया आशीर्वाद हमेशा मेरे ऊपर बना रहे यही अब ईश्वर से इच्छा रह गई है।

-पूर्व चीफ जस्टिस डीपीएस चौहान, प्रयागराज

पंडितजी से हमेशा सही मार्गदर्शन मिला

पंडितजी का मेरा लगभग 30 वर्षों का सान्ध्य रहा है। इस दौरान मैं कई बार ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल परिवार सहित गया। एवं उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। रिटायरमेंट के बाद पंडितजी इंदौर स्थित हमारे घर भी पधारे और आशीर्वाद दिया ज्योतिष के क्षेत्र में हमारे परिवार को उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने से बहुत ही सुख-शांति प्राप्त हुई है। वो हमारे परिवार के लिए गुरुतुल्य रहे हैं। उनका ज्ञान अभूतपूर्व ढंग से अचंभित कर देने वाला था। उनका परलोक गमन ज्योतिष के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्षति है।

-जस्टिस श्री अशोक तिवारीजी, इंदौर

श्रद्धांजलि

आदि से लेकर अनादी तक के छायाचित्र

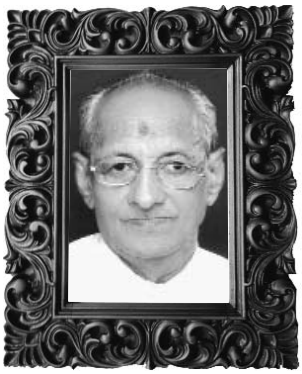

पंडितजी की प्रत्येक भविष्यवाणी हमेशा सच साबित हुई

पंडितजी से मैं 30-40 वर्षों से परिचित हूं। वह हमारे लिए पिता के समान थे। उनके द्वारा बताए गए सिद्धांतों पर चल कर मुझे हमेशा सफलता प्राप्त हुई है। जिला जज दमोह श्री पी.एन.एस. चौहान जी के माध्यम से मैं उनसे मिला, फिर हमेशा मिलता रहा। मैंने अपना पारिवारिक संरक्षक उन्हें मान लिया था तथा समय-समय पर उनसे मिलने मैं ज्योतिष मठ संस्थान जाता था। तथा घंटों चर्चारत रहकर उनसे आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करता था। उनके द्वारा की गई देश-प्रदेश से संबंधित भविष्यवाणियां अचंभित कर देने वाली रही हैं। 'जिसमें राम मंदिर निर्माण की वेला चक्रव्यूह की वेला है' नामक शीर्षक मैं उनकी भविष्यवाणी अक्षरतः सच साबित हुई। उनके द्वारा अन्य भविष्यवाणियां अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, उमा भारती के विषय में की गई जो कि समय की कसौटी पर सत्य साबित हुईं। मैं उनका आभारी हूं कि उन्होंने मेरे साथ अपनत्व की भावना को चिरस्थायी बनाए रखा। मेरे परिवार के सभी सदस्यगण पंडितजी को बहुत याद करते हैं। उनके जीवन को व्यवस्थित करने में पंडितजी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। आज भी पंडितजी हमारे बीच में हैं। उनका ज्ञानरूपी प्रकाश हम सबके हृदयों में समाया हुआ है। पंडितजी से बढ़कर अध्यात्म, ज्योतिष का ज्ञाता मिलना अब आगे के समय में बहुत मुश्किल है। समाज में दिए गए उनके योगदान के हम आभारी हैं।

- **जस्टिस एस.एन. द्विवेदी,** भोपाल

गुरुजी के साथ केएनजी महाराज पुजारी तिरुपति बालाजी एवं तंत्र सम्राट खान बाबा।

गुरुजी के साथ डॉ, व्ही कोस्टी सीनियर वैज्ञानिक इजराइल ।

गुरुजी के साथ तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी जी।

गुरुजी विदेशी शिष्यों का हस्त परीक्षण करते हुए।

गुरुजी के साथ आकाश इंटरनेशनल के जादूगर श्री आकाश अवस्थीजी।

गुरुजी के साथ जस्टिस श्री देवेंद्र गुप्ताजी एवं जादूगर श्री आनंद अवस्थीजी।

श्रीराम मेडिकल स्टोर

टाऊन हाल के सामने सिमरिया चौक, सतना म.प्र.

फोन नं. 07672-403056

हमारे यहां सभी प्रकार की दवाईयां उचित रेट पर मिलती हैं। इमरजेंसी सेवा 24 घंटे उपलब्ध।

प्रो. **सुरेश गुप्ता**

मो.-989394245

ज्योतिष गुरु थे पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी

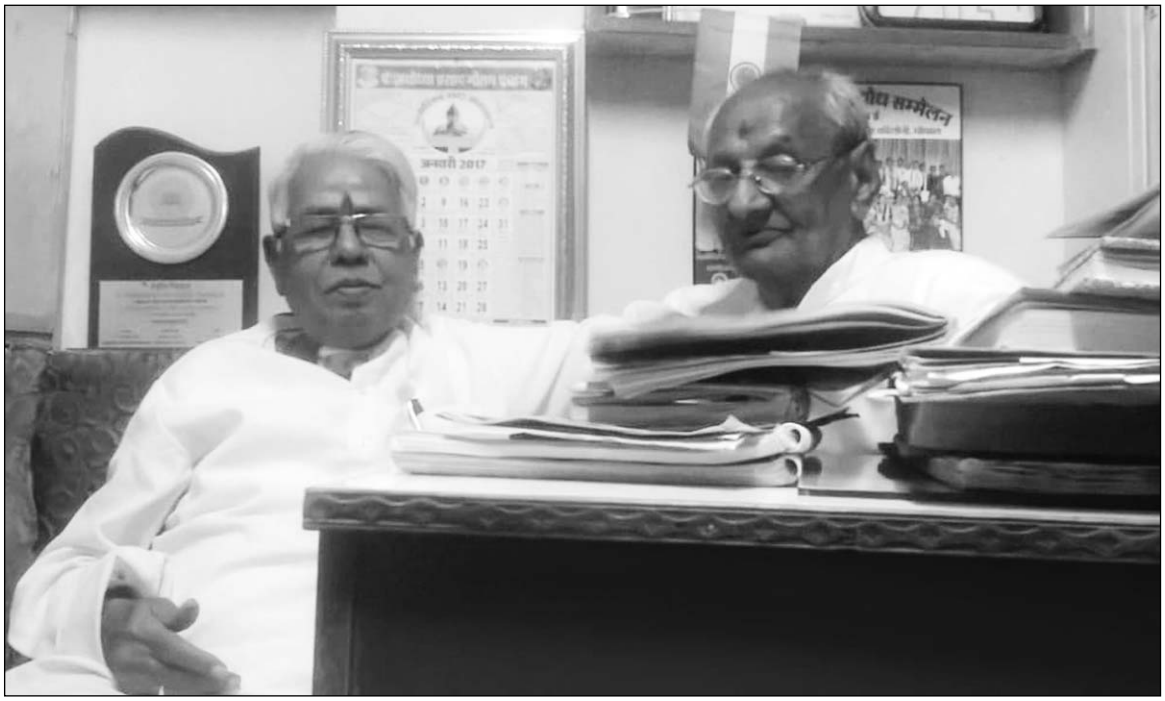

आज से 50 वर्ष पूर्व पंडितजी जबलपुर आए और मेरे पिता जो कि उस समय देश के माने हुए प्रख्यात ज्योतिषाचार्य नाथूराम व्यास से मुलाकात के दौरान मेरी उनसे मुलाकात हुई। पिता के कहने पर मैने पंडितजी को गुरु रूप में स्वीकार कर उनसे ज्योतिष की बारीकियां सीखीं। उनका अद्‌भुत ज्ञान आज भी मुझे समय-समय पर सहायक है। आज जो मैं ज्योतिष के क्षेत्र में काम कर रहा हूं उसमें पंडितजी का पूर्ण सहयोग रहा है। लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग. आरसी एंड संस पंचांग, जीडी एंड संस पंचांग, पं. बाबूलाल चतुर्वेदी पंचांग, भुवन विजय पंचांग, पुष्पांजली पंचांग के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी। व्रत-त्योहारों में निर्णय आदि मुहूर्तों के साथ अनेक प्रकार के ज्योतिषीय मतभेदों में उनका निर्णय हम सब पंचांगकार पूर्ण विश्वास के साथ मानते थे। वे हमारे घर के सदस्य जैसे ही थे। जब कभी उनका जबलपुर आगमन होता तो वे हमारे निवास में ही विश्राम करते थे। हम जानते हैं कि वे इस दुनिया में नहीं हैं, परन्तु हम मानते हैं कि उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत ज्योतिष की दुनिया में उन्हें जीवंत किए हुए हैं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। संपूर्ण ज्योतिष जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति हुई है। इस क्षति को परमात्मा ही दूर कर सकते हैं। वैसे उनके द्वारा भोपाल में स्थापित ज्योतिष मठ संस्थान में उनके पुत्र पं. विनोद गौतम, बखूबी ज्योतिष के क्षेत्र में अपना स्थान बनाए हुए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें सदैव अग्रसर बनाए रखें।

- नारायण शंकर नाथूराम व्यास,
प्रख्यात ज्योतिषाचार्य एवं भविष्यवक्ता, जबलपुर

गुरुजी द्वारा 3 जनवरी को जादूगर आनंदजी के जन्म दिन पर आशीर्वाद।

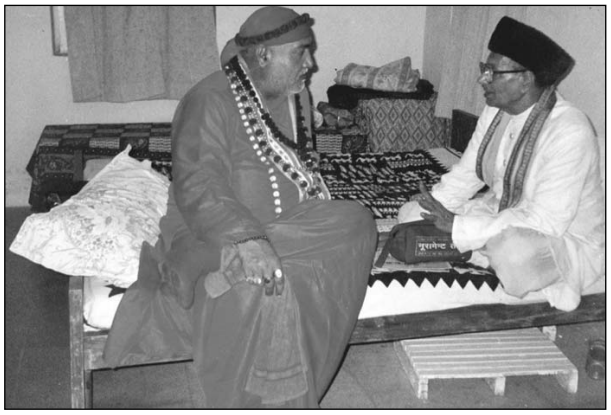

गुरुजी के साथ विश्व संत सम्राट स्वामी प्रज्ञानंदजी महाराज कटंगी।

आशीर्वाद...ज्योतिष मठ संस्थान में क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती संतोष जितेंद्र कंषाना।

गुरुजी के साथ विश्वसंत शिरोमणि श्री कृपालुजी महाराज एवं न्यायाधीशगण।

जोधपुर में विश्व वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए गुरुजी।

जापानी शिष्यों का हस्त परीक्षण कर भाग्य बताते गुरुजी।

श्रीकृष्णा लाईफ स्टाईल

रेडिमेड कोट-पैन्ट, शूटिंग-शर्टिंग, साड़ी एवं सभी प्रकार के वस्त्रों के विक्रेता

फैन्सी एवं वैवाहिक साड़ियों का अनूठा संग्रह

पुराना बस स्टैण्ड अमानगंज (पन्ना)

मयंक असाटी मोबाइल नम्बर - 9630088264

पंडितजी बहुत ही भले आदमी थे

विगत 3-4 वर्षों के दौरान मंगली कुंडली के संबंध में पंडितजी के ज्योतिष मठ संस्थान गया। वहां पर पंडितजी से मुलाकात हुई। उन्होंने कैलेंडर भेंटकर शुभकामनाएं दीं, साथ ही उन्होंने अपनी बीमारी ब्लड प्रेशर आदि के विषय में चर्चा की। स्वास्थ्य के संबंध में चर्चा के दौरान मुझे एहसास हुआ कि पंडितजी को आयुर्वेद का पूर्ण ज्ञान है। जिस ढंग से उन्होंने नस-नाड़ियों तथा हड्डियों से संबंधित प्राकृतिक मानव के बारे में बताया तथा उनके खान-पान पर मानव पर पड़ने वाले प्रभाव एवं दुष्प्रभाव के बारे में सुनकर मुझे ऐसा लगा कि प्राचीन समय की विद्या सर्वोपरि है। मैं जब भी पंडितजी के पास गया, पंडितजी बिना कुछ खिलाए-पिलाए नहीं जाने देते थे। एक बार उन्होंने पंचाटे की रोटी खिलाई जो मुझे एवं मेरी पत्नी को बहुत स्वादिष्ट एवं प्रिय लगी। मेरे अनुसार उन्होंने जो आत्मीय भावना के साथ मुझे खिलाया उससे मैं अभीभूत हो गया। मुझे अपने माता-पिता की याद आई। मैं मानता हूं कि मैं वैज्ञानिक ज्ञान की डिग्री रखता हूं, परन्तु धार्मिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान के विषय में पंडितजी से ज्यादा गंभीर मुझे आज तक कोई नहीं मिला। उन्होंने हमको समय के साथ ज्ञान दिया हम उनके सदैव आभारी रहेंगे। ऐसी सख्शियत को भुलाया नहीं जा सकता।

- डॉ. टीएन दुबे, कुलपति मेडिकल कॉलेज जबलपुर

श्री मारुती संगीत संस्थान

संगीत कला सीखने के लिए संपर्क करें - नवीन बैच प्रारंभ

पं. श्री अशोक भट्ट, प्रोफेसर कॉलोनी, भोपाल मो. 9893439624

संगीतमयी श्रीमद्भागवत गीता, संगीतमयी श्रीमद्भगत कथा, संगीतमयी शिवार्चन, संगीतमयी सुन्दरकांड, अखंड मानस पाठ, देवी जागरण हेतु संपर्क करें।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत के साथ ज्योतिषाचार्य पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम। साथ में हैं जस्टिस डीपीएस चौहान।

गुरुजी द्वारा ग्रह शांति प्रसिद्ध पत्रकार श्री अजीत वर्माजी जबलपुर के निवास में।

श्रीलंका शिवाला में विदेशी शिष्यों द्वारा ग्रह शांति हवन कराते गुरुजी।

गुरुजी से हस्त परीक्षण कराते हुए युवा वैज्ञानिक डॉ. सैलजा नेपाल।

गुरुजी के साथ जोधपुर राजस्थान उम्मेद भवन पैलेस राजा गजसिंहजी।

पंडितजी की जो भविष्यवाणी थीं वो सटीक साबित हुई

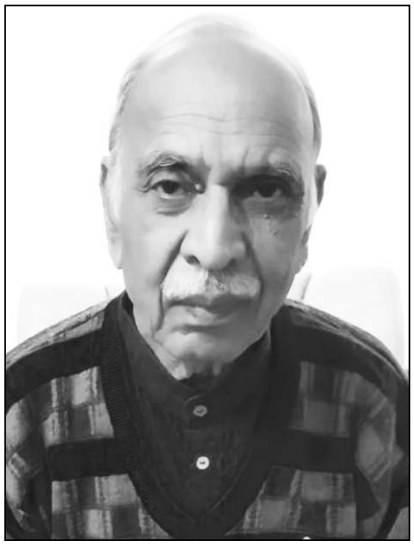

पंडितजी के द्वारा बताए गए मार्ग पर मैं आज भी कायम हूं। पंडितजी से मेरे संबंध 50 वर्ष पुराने हैं। मेरी शादी भी पंडितजी ने ही करवाई थी। आज मैं स्वास्थ्य संचालक पद से सेवानिवृत्त हो गया हूं। पंडितजी की सीख समय-समय पर मुझे संकटों से दूर रखती है। मेरी पत्नी को पंडितजी के ऊपर बहुत भरोसा है। मेरे बच्चों के विषय में तथा अन्य कार्यों के विषय में पंडितजी की जो भविष्यवाणी थी वो सटीक साबित हुईं। पंडितजी को हम प्रतिदिन स्मरण करते हैं वो देव पुरुष हैं, उनके जैसा ज्योतिष ज्ञानी मेरे जीवन में मुझे कोई नहीं मिला। मैं आंखों का डाक्टर था। एक बार पंडितजी का फोन ग्वालियर से मेरे पास आया और उन्होंने कहा कि मैं आंख का आपरेशन करवा रहा हूं। ग्वालियर के कमिश्नर श्री पुखराज मारूजी जो कि उनके अनन्य भक्त थे उनसे मेरी बात हुई। मैंने उन्हें आपरेशन नहीं करवाने के लिए कहा और भोपाल बुला लिया। यहां आकर आंख का उपचार किया गया जिससे उनको राहत मिल गई। उस समय से उन्हें मेरे ऊपर बहुत भरोसा हो गया। समय-समय पर जब भी वो किसी अन्य डाक्टर से अपना इलाज करवाते थे पश्चात वे मुझसे मिलकर सलाह मशविरा कर ही दवाओं का सेवन करते थे। पंडितजी को यह तीसरा ब्रेन अटैक था। इस बार जब मैं पंडितजी से आईसीयू में भेंट करने पालीवाल हास्पीटल जहां उनका इलाज चल रहा था गया तभी पंडितजी ने मुझे पहचानते हुए इशारों से बताया कि अब समय आ गया है अब मुझे जाना है। मैंने उनसे कहा कि नहीं एक बार और आपको उठकर खड़ा होना है परन्तु उन्होंने इंकार से सिर हिला दिया और दो दिन बाद ही तारीख 24 जून को शाम 4 बजे डॉ. जयप्रकाश पालीवाल का फोन आया कि पंडितजी को अचानक कार्डियक अटैक आने के कारण उन्हें हम नहीं बचा पाए। मेरे परिवार पर तो मानो पहाड़ टूट पड़ा हो। इतनी पीड़ा, इतना दर्द पंडितजी के बताए रास्ते, पंडितजी का सहयोग, पंडितजी का सानिध्य एक-एक कर मेरी आंखों के सामने आने लगे। पंडितजी को हम कभी नहीं भूल सकते, हमारे जीवन के उत्थान में उनका पूर्ण योगदान रहा है।

-डॉ. पीएनएस चौहान, पूर्व स्वास्थ्य संचालक मप्र शासन

महाराजा इत्र सेंटर

सभी प्रकार के इत्र के थोक एवं फुटकर विक्रेता, बड़ी खेरमाई रोड, गेट नं. 2 के बगल में, जबलपुर (मप्र)

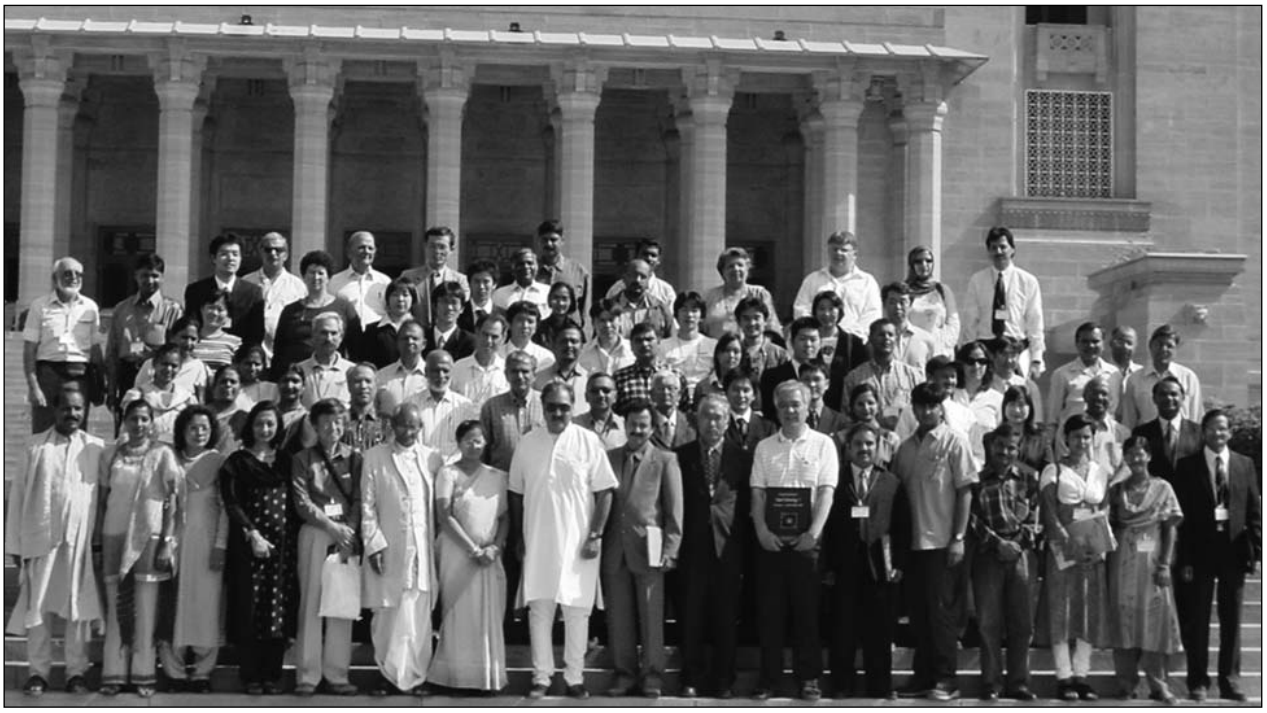

उम्मेद भवन पैलेस जोधपुर में विश्व वैज्ञानिक सम्मेलन में 47 देशों के वैज्ञानिकगणों का आगमन हुआ। इस सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में गुरुजी ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी को आमंत्रित किया गया। वातावरण शुद्धि हेतु किए गए मंत्रोप्च्यार वेद मंत्रों की ध्वनि से सम्मेलनहाल के वातावरण में परिवर्तन हुआ। यह परिवर्तन जापान आदि के वैज्ञानिकों ने अपने यंत्रों में मापा एवं वेद मंत्र से उत्पन्न ध्वनि को वातावरण शुद्धि करने में सहायक माना। इस सम्मेलन का आयोजन शिकागो यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर श्रीमती संगीता सिन्हाजी द्वारा किया गया था। इस सम्मेलन के संयोजक श्री संजय कुमार सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि राजागज सिंह जूदेव थे।

प्रयागराज-गुरुजी के साथ चीफ जस्टिस श्री डीपीएस चौहानजी।

गुरुजी के साथ जस्टिस श्री अशोक तिवारीजी सपरिवार।

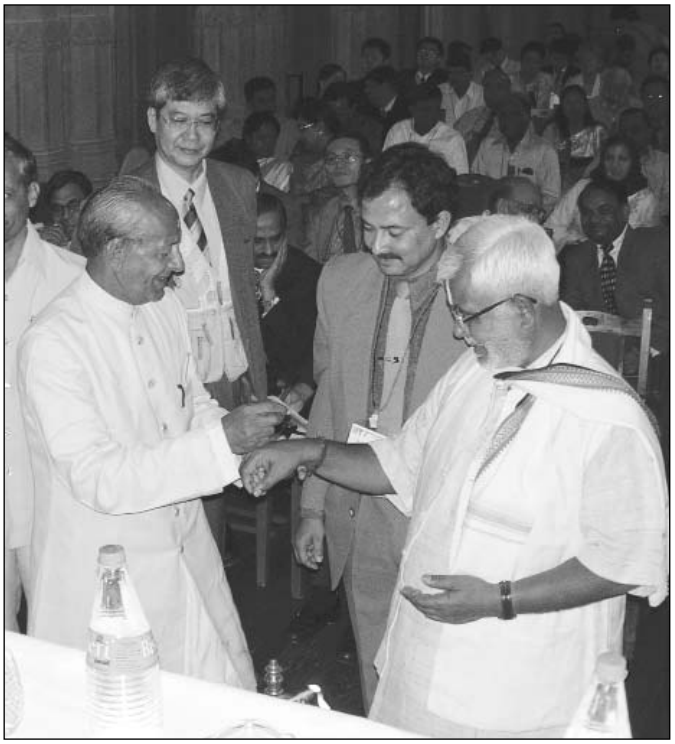

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री हुकुम देव नारायण के हाथ में कलावा बांधते हुए विशेष रूप से आमंत्रित ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम के साथ सम्मेलन में अध्यक्ष श्री सिंहा जी।

पंडितजी से मिलने के बाद मुझे विशेष ऊर्जा प्राप्त हुई, जो अक्षुण्य है

मैं बहुत छोटे से गांव शिवराजपुर से हूं। कई वर्ष पूर्व मुंबई जाकर संघर्ष करने के पश्चात मुझे सफलता प्राप्त हुई। मैं अपने गांव में प्रतिवर्ष यज्ञोत्सव का आयोजन करता हूं। पंडितजी के गृह ग्राम शामर डांडा पहुंचकर मैंने उन्हें अपने यज्ञोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण प्रदान किया तो वे सहज ही अपने एक सहयोगी के साथ यज्ञोत्सव में पहुंचे। प्रसन्नता से अभिभूत होकर मैंने पंडाल में 1100 ब्राह्मणों की उपस्थिति में वेदोचारित कर उन्हें सम्मानित किया। इसके पश्चात पंडितजी से मैं अपनी व्यक्तिगत और कामकाजी समस्याओं के निवारण हेतु समय-समय पर विचार विमर्श करता रहा। उनके सुझावों से मेरे व्यवसाय को विशेष ऊर्जा प्राप्त हुई तथा मेरा व्यवसाय ऊंचाईयों पर पहुंच गया। मैं उनके द्वारा दिए गए स्नेह एवं आशीर्वाद को हमेशा याद करता रहूंगा। आज वो एक सितारा बनकर ब्रह्ममय हो गए हैं, परन्तु पन्ना जिले के साथ प्रदेश एवं देश ही नहीं बल्कि विदेशों के अपने हजारों शिष्यों को नई राह के साथ नई ऊर्जा प्रवाहित कर गए हैं। यह ऊर्जा हमेशा अक्षुण्य रहे तथा हम सभी पर सदैव उनकी कृपा बनी रहे, इसी आकांक्षा के साथ मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

-रुद्र कुमार उरमलिया, उद्योगपति मुंबई

ज्योतिष मठ संस्थान भोपल में उपस्थित भक्तगणों के साथ पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी।

जादूगर श्री आनन्दजी के साथ पंडित अयोध्या प्रसाद गौतमजी।

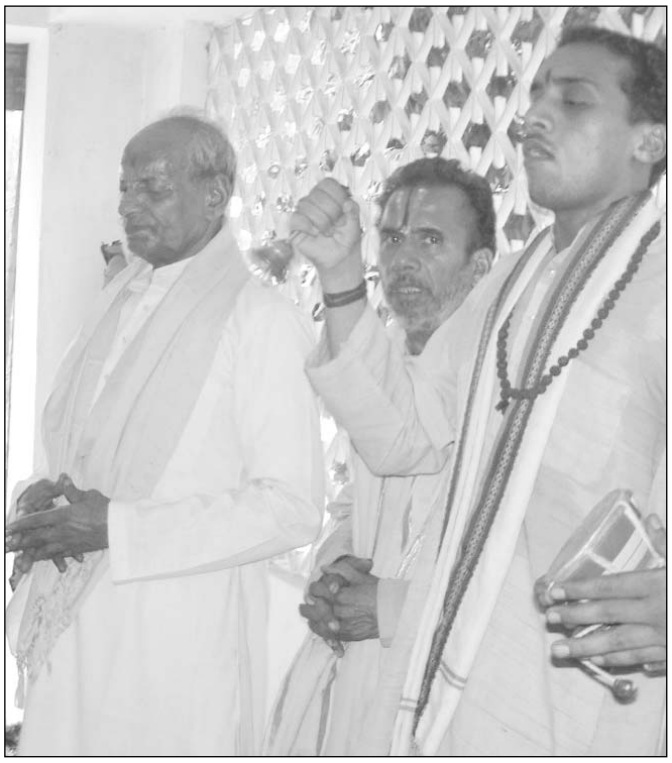

गुरुजी के साथ आचार्य प्रभाकर शास्त्रीजी जिगदहा।

मेरे प्रेरणास्रोत थे पंडित श्री गौतमजी

ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक आदरणीय गुरुदेव पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी से मुझे मिलकर जीवन में कार्य करने की ऊर्जा एवं गति प्राप्त हुई। मैं पेशे से इंजीनियर हूं, परन्तु पैतृक पेशा पंडितगिरी का ही है। मुझे ज्योतिष में बहुत रुचि थी। यही कारण है कि मैं गणितीय ज्योतिष के सिद्धांतों की संहिताएं अच्छे लेखकों, विद्वानों की पुस्तकों का अध्ययन करता रहता था। एवं उसी गणितीय ज्ञान के आधार पर मैंने पुष्पांजलि पंचांग भोपाल से प्रकाशित किया। भाग्यवश गौतमजी को पंचांग की प्रति प्राप्त हुई। और उन्होंने मुझे फोन कर पंचांग के प्रकाशन पर शुभकामनाएं देकर पंचांग की बहुत प्रशंसा की। पश्चात भोपाल प्रवास पर मिलने का निश्चय हुआ। मैं नियत समय पर भोपाल में 15 वर्ष पूर्व मिला। प्रथम मिलन में ही उन्हें देखकर मुझे उनसे कुछ पुरातन विधि ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा जागृत हो गई। कालांतर में उन्होंने मुझे कम्प्यूटर और ज्योतिष के सिद्धातों पर आधारित पंचांगीय, गणितीय कार्य करने के लिए दिया। एक वर्ष तक मैं वह रहस्य कम्प्यूटर के सहयोग से जानने की कोशिश करता रहा अंत में मैंने गुरुजी से कहा कि यह असंभव है ऐसा नहीं किया जा सकता। परन्तु उन्होंने मुझे प्रेरणा देते हुए कहा कि यह सिद्धांत ऐसा बन सकता है चाहे वह सूर्य सिद्धांत की गणित हो या केतकी गृह लाघवी सभी के सिद्धांत के आधार पर कम्प्यूटर में अगर गणितीय सिद्धांत आ जाते हैं तो भारत के सभी पारंपरिक पंचांगकारों के लिए बहुत ही सहूलियत भरा सिद्धांत हो जाएगा। अत: एक बार पुन: नए सिरे से प्रयास करो। आदेश मिलते ही मैं पूरी ईमानदारी से उन सिद्धांतों को कम्प्यूटर में पिरोकर नया साफ्टवेयर तैयार करने लगा। आशा के विपरीत मुझे पहले ही चरण में सफलता प्राप्त हो गई। कुछ परिणामों के परीक्षण करने पर और भी आगे के रास्ते खुलते गए और एक प्राचीन पद्धति पारंपरिक गणितीय पद्धति का पंचांग तैयार करने का साफ्टवेयर तैयार हुआ। यह सब उनकी प्रेरणा एवं आशीर्वाद से ही संभव हो सका। आज देश के अधिकतर पंचांग, कैलेंडर से संबंधित कार्यों हेतु इसका उपयोग हो रहा है। उनका आशीर्वाद हमारे परिवार पर बना रहे एवं उनके भक्तों का कल्याण हो। इसी कामना के साथ त्वदीयं वस्तु गोविन्दं तुभ्यमेव समर्पितं।

– पं. राजेश मिश्रा पुष्पांजलि पंचांग

के.एम. टेक्सटाईल्स

मुखर्जी क्लाथ मार्केट, बैरागढ़

पर्दाथान, चादर, कम्बल, सोफा कवर, रूम सेट एवं शाल के विशेष विक्रेता

प्रो. सुरेश सेवारमानी, मो. 9301514025, 9303136922

दुर्लभ चित्र ..... 1980 में गुरुजी से हस्त परीक्षण कराते हुए समाजसेवी जसवीर सिंह ओबेरायजी।

गुरुजी से जापानी वैज्ञानिक शिष्य मित्रवत श्री ओजाकी।

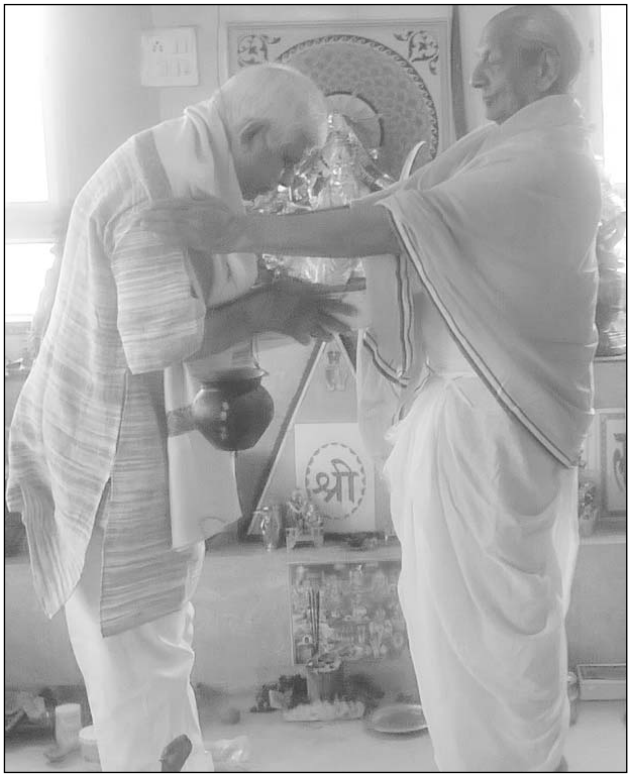

पूर्व मंत्री मा. राजा पटैरिया जी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए गुरुजी।

अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे गौतमजी

जबलपुर से प्रकाशित पं. बाबूलाल चतुर्वेदी पंचांग, भुवन विजय पंचांग के पंचांगकार के रूप में पंडितजी ने बहुत सहयोग किया। मेरे पिताजी पं. श्री बाबूलाल चतुर्वेदीजी से पंडितजी के निकट संबंध रहे हैं। धीरे-धीरे मैं भी पंचांग कार्य में उनसे सलाह मशविरा करने लगा। उनकी प्रतिभा एवं ज्ञान को परखकर मैंने अपने पंचांग का संरक्षक बनाया और पंचांग कार्य में उनका सहयोग प्राप्त किया। कालांतर मेरे संबंध मित्रवत हो गए और मैं अपनी सभी प्रकार की बातें उनसे साझा करने लगा। उनके बताए गए समाधान के प्रकार से मेरी बहुत सारी समस्याओं का निराकरण हो गया। मैं जानता हूं कि ज्योतिष के क्षेत्र में वे अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे। उनके बराबर ज्योतिष के श्लोक, फार्मूले शायद है कि किसी ज्योतिषी के पास रहे हों। वे जन्म पत्री निर्माण के क्षेत्र में कम्प्यूटर से भी तेज चलते थे। उनकी गणितीय प्रतिभा इतनी तेज थी कि वे कम्प्यूटर से जल्दी आपकी कुंडली तैयार करने में सक्षम थे। उनके पास हस्तरेखा, तंत्र, वास्तु, दैवीय साधना, खगोल के साथ सामाजिकता के विषय वस्तुओं का भंडार था। जिससे वे ज्योतिष के शिखर पर विराजमान रहे। आज भी वे अपने सूत्रों, सिद्धांतों के साथ हमारे बीच में ही बने हुए हैं, ऐसा मेरा मानना है। भगवान उन्हें अपने लोक में जगह प्रदान करें। ॐ शांति।

- पं. सूर्यकांत चतुर्वेदी, भुवन विजय पंचांग, जबलपुर

सिद्ध पीठ है ज्योतिष मठ

ज्योतिष शब्द ही सिद्ध है। इसके बाद ज्योतिष के साथ मठ जुड़ जाने से वह पीठ हो गया है। जो कि कार्य सिद्धि और अद्‌भुत चमत्कारों के लिए जाना जाता है। मैं अनेक वर्षों से गौतमजी को जानता हूं और ज्योतिष मठ संस्थान जहां पर कि स्वयं संत विराजमान हैं वहां भी मैं जा चुका हूं। ज्योतिषीय अनुसंधान के चलते यह मठ पवित्र और सिद्ध हो गया है। मैं समझता हूं कि जहां संत विराजमान हैं और ज्योतिषीय अनुसंधान हो रहे हैं वह स्थान स्वयं सिद्ध है जिसकी व्याख्या ठीक उसी तरह है जैसे कि भगवान की। यदि स्थान विशेष और व्यक्ति विशेष के प्रति आस्था है तो भगवान स्वत: प्राप्त हो जाते हैं।

- महामंडलेश्वर, अबधूत बाबा अरुण गिरिजी महाराज

दुर्लभ चित्र..... पंडित अयोध्या प्रसाद जी गौतम पैतृक गांव श्यामर डांडा (पन्ना) में अपने परिजन व संबंधियों के साथ।

गृह ग्राम श्यामर डांडा (पन्ना) में जापान से आए वैज्ञानिक दल के साथ पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम। साथ में हैं पन्ना जिला पत्रकार संघ के सदस्यगण।

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

गुरुजी की डायरी के पन्नों से...

बहनों-भाइयों यह बहुत ही महत्वपूर्ण लाभ की जानकारी है। ध्यान से सुनिए। असफल लोग सेहत का बहाना बनाकर अपनी कमजोरी को छुपाने वाले आपने देखे हैं। ये 'सेहत के बहाना' साइंटिस्ट हैं। अधिकतर ये लोग कहते हैं क्या करें मेरी तबियत ठीक नहीं रहती। बीमारी के कारण मैं पढ़ाई या फलां काम नहीं कर पा रहा। इसी कारण उसकी अवश्य कमजोरी है। यह 'सेहत बहाना' साइंटिस्ट मानसिक बीमारी के मरीज हो चुके हैं। जबकि आप सभी जानते हैं इस दुनिया में कोई एक भी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं है। हर कोई के साथ एक न एक कोई समस्या है। कई लोग स्वास्थ्य के सामने घुटने टेक देते हैं, जबकि सफलता चाहने वाले घुटने नहीं टेकते। इस विषय में मैं आपको एक सच्ची लिखता हूं। जिसे पढ़कर आप भी समझ जाएंगे कि साहस और संकल्प की कितनी बड़ी ताकत होती है।

जबलपुर में एक आयोजन में साहस और सफलता की शक्ति पर लोगों को बताने के पश्चात वहां उपस्थित एक भक्त सेठ मेरे पास आए और कहने लगे आपने भाषण तो अच्छे दिए हैं, जबकि मेरे लिए कोई उपयोग के नहीं हैं। जबकि मुझे हृदय रोग है। जिससे मुझे स्वयं का ख्याल रखना पड़ता है। मैंने कई अस्पतालों के डॉक्टरों को दिखाया, जांच करवाई परन्तु कोई भी डॉक्टर मेरी इस हृदय की बीमारी को नहीं ढूढ सके। हर डॉक्टर ने जांच कर एक जैसी बात बताई कि जांच में कोई रोग नहीं आ रहा। अब आप बताएं कि मुझे क्या करना चाहिए? मैंने उससे कहा कि मैं बीमारी के विषय में कुछ नहीं जानता फिर भी इस विषय पर मेरी सलाह मानें - सलाह यह है कि आप किसी और अच्छे डॉक्टर को दिखाएं वह जो कहे उसे अंतिम जांच मानकर काम करें। क्योंकि हो सकता है आपको हृदय की या अन्य कोई बीमारी न हो, सिर्फ आपके मन का वहम हो। इस वहम की चिंता करेंगे तो एक न एक दिन अवश्य बीमार हो जाएंगे। और आगे आपको हृदय रोग हो जाएगा।

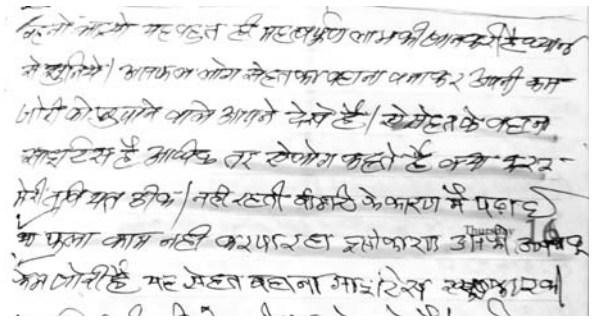

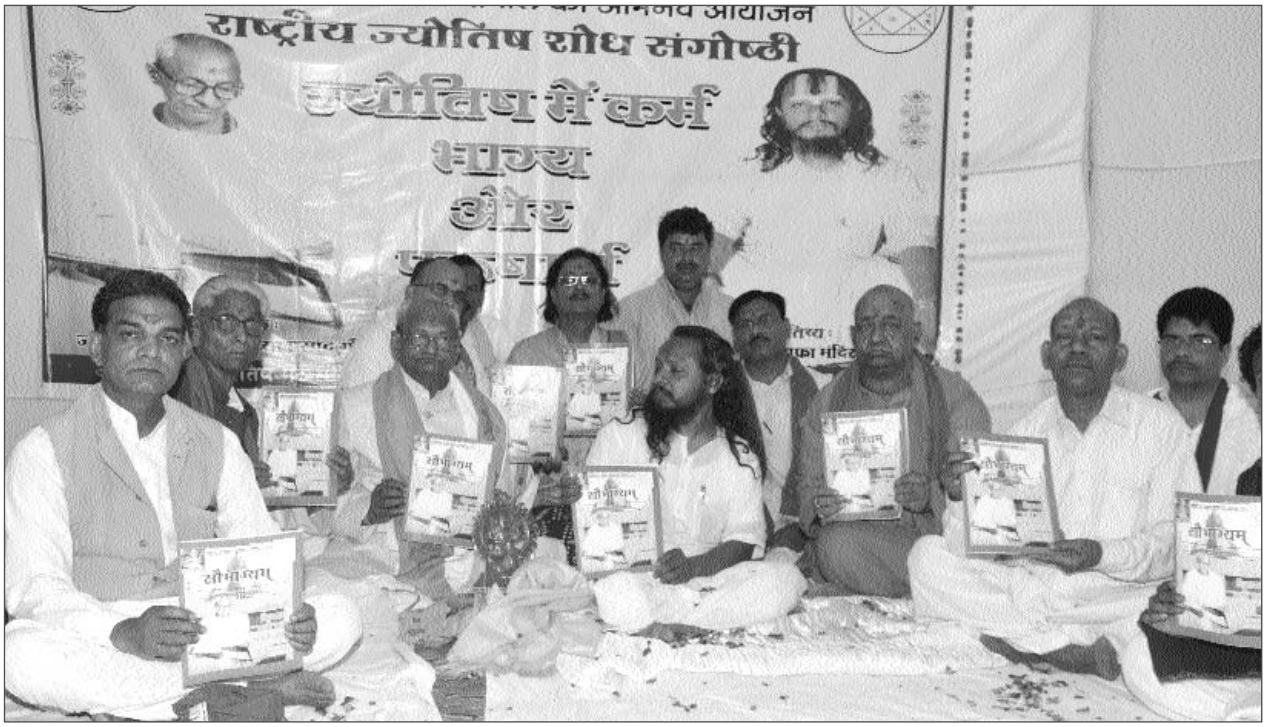

ज्योतिष शोध संगोष्ठी में सौभाग्यम का विमोचन करते हुए गुरुजी के साथ महंत श्री चंद्रमादास त्यागीजी, पं. श्री विष्णु राजोरियाजी, पं. श्री प्रेमपाल कौशिकजी, पं. श्री सूर्यकांत चतुर्वेदीजी, महाराज श्री वैभव भटेलेजी, डॉ. सी.एल. पांचालजी, पं. श्री भंवरलाल शर्माजी, पं. श्री राजेश मिश्र जी तथा साईं धाम के श्री संत मंगलमजी, पं. श्री संतोष शर्माजी, श्री पं. विनोद गौतमजी।

ज्योतिष मठ संस्थान में ज्योतिष संगोष्ठी में उपस्थित विद्वान, आचार्यगण एवं मुख्यवक्ता।

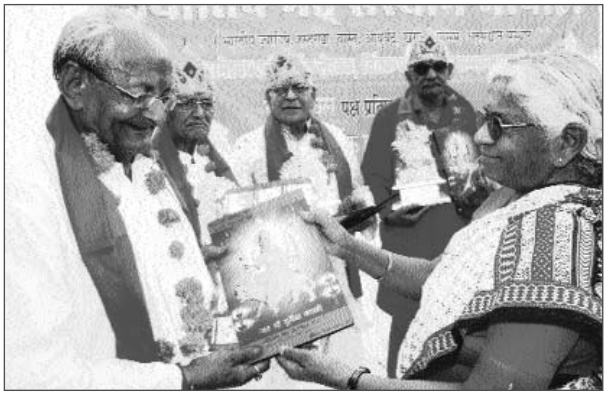

गुरुजी के साथ ज्योतिष मठ के पंच परमेश्वर एवं मंत्री महोदय सुश्री कुसुम सिंह मेहदेलेजी।

ज्योतिष मठ संस्थान में प्रख्यात समाजसेवी श्रीमती भूपिन्दर कौर औबेरायजी का सम्मान।

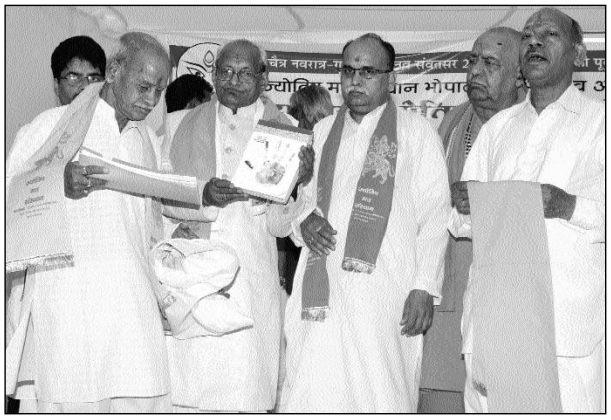

गुरुजी एवं पं. श्री कैलाशचंद्र दुबेजी द्वारा इंदिरागांधी की हस्तरेखा की प्रति का प्रदर्शन।

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

इंडिया फर्स्ट न्यूज का सवाल - कब बनेगा राम मंदिर?

गुरुजी के श्री मुख से इंडिया फर्स्ट न्यूज को जवाब

राम मंदिर के विषय पर संदेह नहीं है कि उसका निर्माण विलंबकारी रहेगा। हां यह जरूर है कि निर्माण तो होना शुरू हो जाएगा इसके बाद उसमें एक नया विवाद खड़ा हो जाएगा जो 2019-20 तक चलेगा। घटनाक्रम तो राम मंदिर के बहुत पहले से ऐसे थे 1947 में ये भारत स्वतंत्र हुआ। और आप वहां के ग्रहों को देखिए 49 में मंदिर निर्माण की बात आई लेकिन 1951 में राम के प्रकट होने के बाद भी कुछ नहीं हो पाया। तो जो गोचरीय स्थिति है वही काम करती है। अभी वर्तमान समय में वही ग्रहों का फल है जिसके आधार पर अभी साधु-संतों भारत के प्रबुद्धजनों में एक मतता आ करके मंदिर निर्माण की जो स्थिति है उसको निर्मित कर देगी। अब पार्टियां मिलेगीं और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए सभी वर्गों में एकजुटता बनेगी और इसमें उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी का ज्यादा हाथ होगा योगीजी इसमें ज्यादा समर्पित रहेंगे और लोह पुरुष के रूप में अपने वचनों और कर्तव्यों को वो प्रकट करेंगे। इसमें बहुत कुछ लोग ऐसा है कि क्षेत्र को विवादित करने के लिए तैयार होंगे ये सब नहीं कर पाएंगे। 2020 के जो संकेत हैं वे अभी पूर्णता की स्थिति में अभी कमजोर हैं। एक बात ओर ध्यान दीजिए। जब 2022 आएगा तो इस मंदिर में विशेषरूता विशेषता आएगी। लेकिन इसके पहले का जो पीरियड अभी दो साल का है ये किसी भी रूप से पूर्णता की ओर नहीं है। इसमें विवाद दर विवाद और न्यायालयों का आक्षेप और धर्मों का आक्षेप यही सब होता चला जाएगा। ये ग्रह चक्रव्यूह की वेला है। ये मंदिर जिस समय पर कारसेवा हुई थी उस समय से यह चक्रव्यूह चल रहा था। जैसे महाभारत की वेला थी ऐसी यह भी है।

गुरुजी के उपरोक्त सभी वीडियो देखने के लिए लागिंन करें
WWW.INDIAFIRST.ONLINE

भारत भवन

भारत भवन भोपाल - उस्ताद रहमत अली खान संगीत समारोह में ज्योतिष मठ संस्थान के गुरुजी संस्थापक ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ था। प्रस्तुत हैं कार्यक्रम की रोचक एवं विशेष तस्वीरें -

रहमत अली खान संगीत समारोह का उद्घाटन एवं श्रद्धांजलि।

प्रसिद्ध नृत्यांगना अनुराधा शंकरजी को सम्मानित करते हुए गुरुजी।

चीफ जस्टिस श्री डीपीएस चौहानजी की 75वीं वर्षगांठ पर आशीर्वाद प्रदान करते हुए गुरुजी।

पूजन-अर्चन...ज्योतिष मठ संस्थान में गुरुजी एवं सीएम मप्र के निज सचिव श्री संतोष शर्माजी ।

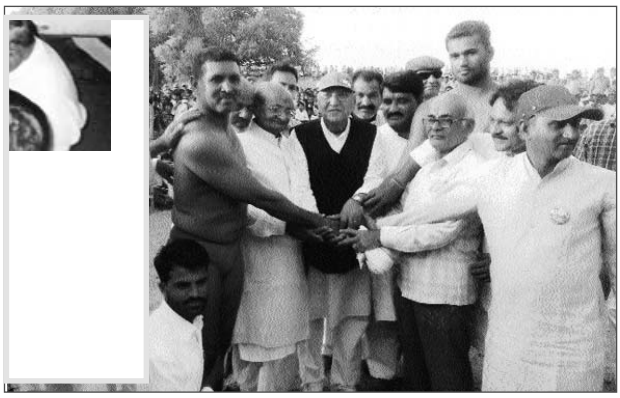

कुश्ती का उद्घाटन... पन्ना स्थित राजा दहार में हुए दंगल का उद्घाटन करते हुए गुरुजी।

पंचांग विमोचन...गुरुजी के साथ जस्टिस श्री डीपीएस चौहानजी प्रयागराज।

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

गुरुजी के करकमलों से......

सकारात्मक सोच...

मेरे प्यारे भाईयो-बहनों। सदैव सकारात्मक सोच रखो यह दुर्लभ एवं मनुष्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं। जिस माहौल में रहो सोच वैसी ही बन जाएगी। जैसा भोजन करो दुरस्ती वैसी आएगी।

नहीं बजार की वस्तु बुद्धि, यह निश्चय जानो।
संगति से साकार होत हैं इस प्रकृति नियम को जानो।

'आगंतुकं येन न सम्मान भावं'

अतिथि सत्कार स्नेह संग में निश्चित दुर्ग्रह व्याधि मनुष्य में नहीं रहती।

'लोकावादं परियंति नरकं'

लोक में सबसे शक्तिमान ताक सत्य है। सत्य का कभी क्षय नहीं होता। यह दीर्घायु, त्रिलोक विजयी है। यह सत्य जिस व्यक्ति के हृदय में होगा उसी व्यक्ति को बोलना, सोचना एवं कर्म सत्य होगा। जो असत्यवान होगा उसकी वाणी का चिंतन व्यवहार सब असत्य होगा।

व्यक्ति के कार्य व्यवहार से ही शुभ-अशुभ ग्रही जान लें। जिस व्यक्ति के भाग्य अंधकार में होता है या कोई दुर्ग्रह चल रहे होते हैं। अतिथि एवं आगंतुकों जनों को महत्व नहीं देता। दुर्ग्रहों के योग से वह इस लोक में अपकीर्ति, अपयश प्राप्त करता है। और परलोक में नरक का वासी होता है। इसके विपरीत जिसके ग्रह अच्छे शुभ चल रहे होते हैं वह अतिथि आगंतुक को महान समझकर व्यवहार करता है और यह मानकर चलता है कि उसमें भी कोई न कोई विशेषता अवश्य होगी...।

प्यारे भाइयों बहनों सदैव सकारात्मक सोच रखो
यह दुर्लभ एवं मनुष्य के लिये किसी वरदान से कम नहीं॥
2017 Friday 24
जिस माहौल में रहो सोच वैसी बन जायेगी॥
जैसा भोजन करो दुरस्ती वैसी आयेगी।
सत संगतिः कथय किं न करोति पुंसां॥
नहिं बजार की वस्तु बुद्धि यह निश्चय जानो॥

Monday
March
व्यक्ति के कार्य व्यवहार से ही शुभ अशुभ ग्रही जान लो
जिस व्यक्ति के भाग्य ... अंधकार में होता
है या दुर्ग्रह चल रहे होते हैं ... अतिथि एवं
आगंतुक जनों को महत्व नहीं देता दुर्ग्रहों के योग
से वह इस लोक में अपकीर्ति अपयश प्राप्त करता
है और परलोक में नरक का वासी होता है

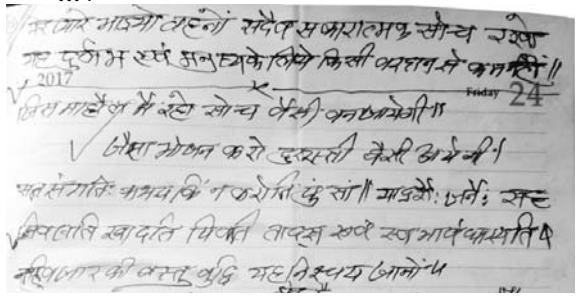

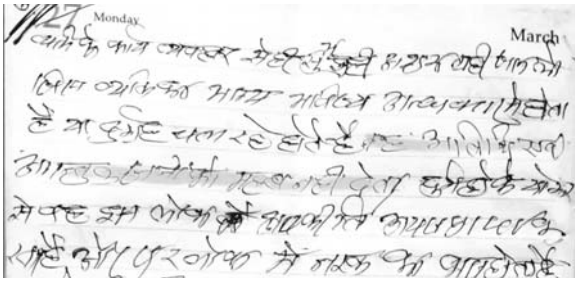

ज्योतिष मठ संस्थान के पंच परमेश्वरों में गुरुजी के साथ जस्टिस श्री आरडी शुक्ल, पं. विष्णु राजौरियाजी, श्री बीएम तिवारीजी एवं संत मंगलम सांई धाम विराजमान।

गुरुजी महर्षि विवि के कुलाधिपति ब्रह्मचारी गिरीशजी का अभिवादन स्वीकार करते हुए।

कार्यालयाध्यक्ष पं. कैलाशचंद्र दुबेजी का कोटा राजस्थान ज्योतिष सम्मेलन में सम्मान।

पिपलेश्वर मंदिर के महंत श्री बाबा नारायणदासजी द्वारा गुरुजी का अभिवदन।

पंचांग का विमोचन प्रसिद्ध पंचांगकार नारायण शंकर व्यासजी जबलपुर द्वारा।

गुरुजी के जीवनकाल में की गई भविष्यवाणियां जो सत्य साबित हुई

आपने अपने जीवनकाल में 10 हजार से ज्यादा सत्य भविष्यवाणियां पंचांग, कैलेंडरों, दैनिक समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं टीवी के माध्यम से की हैं। जो काल की कसौटी पर सत्य साबित हुईं।

आपने अपने ज्योतिषीय सफर में पंडित जवाहरलाल नेहरू, राष्ट्रपति ज्ञानी जेल सिंह, श्रीमती इंदिरा गांधी, एवं राजीव गांधी के अतिरिक्त भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस पार्टी आदि सहित अपने शिष्य रहे उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावतजी के राष्ट्रपति बनने की भविष्यवाणी या राजीव गांधी पुनः प्रधानमंत्री बनेंगे की भविष्यवाणी की आपकी चर्चित भविष्यवाणी उमा भारती का खंडित राजयोग चर्चा में रही। साथ ही मध्यप्रदेश में फिर बनेगी भाजपा की सरकार एवं खेलों में वर्ल्डकप से लेकर भूकंप आदि की भविष्यवाणी जैसे पंचग्रही योग दिलाएगा भारत को वर्ल्डकप, 26 जनवरी 2001 में आए भूकंप में गुजरात एवं कच्छ के विशेष रूप से प्रभावित होने की भविष्यवाणी आश्चर्यचकित करती है। बारिश से संबंधित किसानों एवं फसलों, शेयर-सट्टा बाजार आदि अनेक भविष्यवाणियां काल की कसौटी पर सत्य साबित हुई हैं। रामजन्म भूमि विवाद के विषय में उन्होंने लिखा था मंदिर निर्माण की बेला महाभारत के चक्रव्यूह की बेला है। 2019-20 में विवाद समाप्त होने एवं 2024 तक मंदिर निर्माण पूर्ण होने की भविष्यवाणी मूर्त रूप लेने को बेताव है। इसके अतिरिक्त भारत भूमि में युद्ध की संभावना नहीं। भारत के पड़ोसी देशों चीन आदि के संबंध में इंडिया फस्ट न्यूज को दिया गया इंटरव्य अक्षरशः सत्य है। इस प्रकार से आपके द्वारा अपने शिष्यों के लिए हजारों सत्य भविष्यवाणियां कीं। अपने अनुयायी बालीवुड एक्टर आसिमअली खान तथा कला जगत के विश्व प्रसिद्ध जादूगर आनंदजी के जीवन से संबंधित भविष्यवाणियां समय-समय पर इन्हें किसी न किसी रूप में प्रभावित करती रही हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के गिने-चुने दिन बाकी, मुख्यमंत्री जयललिता को स्वास्थ्य से हानि, सुषमा स्वराज को ग्रहों का संकट, कर्नाटक चुनाव में भाजपा को सफलता एवं जाते-जाते मध्यप्रदेश में कांग्रेस का खंडित राजयोग पुनः भाजपा की वापसी की भविष्यवाणी सत्य साबित हुई। चाहे केरल में त्रासदी हुई अथवा केदारनाथ में भूस्खलन या पशुपतिनाथ नेपाल में प्राकृतिक प्रकोप का आना अथवा महाकाल की नगरी उज्जैन में कुंभ का तहन-नहस होना महामारी संक्रमित बीमारी के विषय में तो उन्होंने अपने पंचांग कैलेंडर एवं पत्रिका सौभाग्यम में विगत पांच वर्षों से रुद्रबीसी के शीषक नाम से भविष्यवाणियां कीं। इस शीर्षक के अनुसार वर्तमान

नहस होना महामारी संक्रमित बीमारी के विषय में तो उन्होंने अपने पंचांग कैलेंडर एवं पत्रिका सौभाग्यम में विगत पांच वर्षों से रुद्रबीसी के शीषक नाम से भविष्यवाणियां कीं। इस शीर्षक के अनुसार वर्तमान में रुद्रबीसी चल रही है। रुद्रबीसी 8 साल अपना तांडव कर चुकी है, बीस वर्ष में 12 वर्ष और तांडव के रहेंगे। जिसमें प्राकृतिक प्रकोप, संक्रमित महामारी, युद्धादि के योग रुद्रबीसी के प्रभाव से परिलक्षित होंगे।

श्यामर डांडा स्थित गुरुजी के आवास में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में उपस्थित भक्तगण।

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

इंडिया फर्स्ट न्यूज चैनल को दिया इंटरव्यू

होनी-अनहोनी के विषय में

कुछ चीजें तो रुक जाती हैं और कुछ जो होती है वो होनी हैं। लिखत्तं ललाटे ..... जो होना वो होना है, लेकिन एक आप शंका करेंगे और आपकी शंका वाजिब रहेगी। कि जब होना है तो फिर उसके उपाय क्यों करें, उपाय में कोई फायदा नहीं जो होना है वो होना है। ऐसा नहीं है कुछ कार्य है जिनमें उपाय से लाभ हो सकता है। लेकिन कुछ उन्हें भावी कहेंगे जिन उपायों में कुछ हो नहीं सकता उनको होनी कहेंगे, जिसको कोई नहीं टाल सकता भगवान भी नहीं टाल सकता। एक नियम बना दिया, उस नियम के अधिनस्थ जैसे भारत का जो नियम है प्रधानमंत्री भी रहेगा। वो उससे ऊपर थोड़े होगा कानून से यही स्थिति हमारे वेदों में है। ईश्वर की संरचना में जो नियम बने हुए हैं उसके बाहर नहीं जा सकते। उसको एक होनी को मान लीजिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला और भावी को जिला जज का फैसला तो भावी है तो टल जाएगी पूजा पाठ यंत्र मंत्र, लेकिन ये तो होनी के रूप में है यह घटनाएं नहीं टलतीं।

भारत-पाकिस्तान-चीन में युद्ध होगा या नहीं ज्योतषीय भविष्यवाणी

नमस्कार- सच में और सत्य में अंतर है। ऐसा नहीं है युद्ध की संभावनाएं तो कई बार बनी हैं, लेकिन युद्ध नहीं होगा। अब सन 82 से कई बार ऐसी ज्योतिषीय भविष्यवाणियों में कहीं नेस्ताद्रुमस की भविष्यवाणियों में ऐसा लगता है। तो ये सच तो होगा, परन्तु सत्य नहीं होगा। सच में और सत्य में अंतर है। सच वह है जिसे सत्य जैसा प्रतीत हो, सत्य वह है जो प्रमाणित हो। तो युद्ध की संभावनाएं सच है। ऐसी स्थिति निर्मित होगी लेकिन युद्ध होगा नहीं। और भारत के संबंधों पर यदि विचारा जाए तो चीन की स्थिति और भारत की स्थिति पाकिस्तान की स्थिति और भारत की स्थिति ये ग्रहों के आधार पर मेल खाती ही नहीं। कभी भी ऐसा नहीं होगा कि इनमें शांति आए। सदैव चीन और पाकिस्तान भारत के लिए कुछ न कुछ षडयंत्र करते रहेंगे। चाहे कितने समझौते बनें और चाहे कितने ग्रहों का परिवर्तन आए एक जैसे एक जन्मजात योग होता है। जैसे कमल के पत्ते में पानी रहते हुए भी वो उससे लिपटेगा नहीं तो पाकिस्तान के और भारत के बीच में चीन और भारत के बीच में संधियां बनने के बावजूद भी या विशेषकर राष्ट्रसंघ जैसे दवाब और फैसलों के बावजूद भी इनमें संबंध मधुर नहीं बन पाएंगे। युद्ध की स्थिति निर्मित होती रहेगी इससे भारत का नुकसान होगा। उससे कहीं ज्यादा पाकिस्तान और चीन का नुकसान होगा।

गुरुजी के उपरोक्त सभी वीडियो देखने के लिए लागिंन करें WWW.INDIAFIRST.ONLINE

गुरुजी के साथ जबलपुर के ज्योतिषाचार्य पं. सूर्यकांत चतुर्वेदीजी एवं पं. नारायणशंकर व्यासजी तथा बुंदेलाजी देवेंद्र नगर एवं अन्य गणमान्यजन।

भक्त परिवार का समीप्य।

गुरुजी का आशीर्वाद ग्रहण करते राम मेडिकल स्टोर सतना के श्री सुरेश-गीता गुप्ता।

दुर्लभ चित्र... तीर्थ यात्रा गमन के दौरान निज निवास में पूजा करते गुरुजी।

✯ ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल ✯

- जन्म-पत्रिका, पंचांग, कैलेंडर निर्माण कार्य
- अनुष्ठान, गृह प्रवेश, महामृत्युंजयी आराधना, जाप
- कपाल भैरवी, बगुलानुमुखी, अकालानुमुखी, आदि शत्रुविजयी अनुष्ठान
- जन्म पत्रिका में मंगल दोष, पितृ दोष, कालसर्प दोष, चांडाल दोष, विष कन्या दोष आदि समस्याओं के अनुसंधान व समाधान के लिए

संपर्क करें

(भारतीय प्राचीन ज्योतिष, हस्तरेखा, आयुर्वेद, खगोल, वास्तु एवं मौसम अनुसंधान संस्थान)

पता : ई.एम. 129 ज्योतिष मठ, नेहरू नगर, भोपाल (मप्र)-462003

ज्योतिषाचार्य पं. विनोद कुमार अयोध्या प्रसाद गौतम

मोबाइल नं. : 9827322068, 9179393080

e-mail-pt.vinodgoutam@gmail.com, website-www.jyotishmath.com

आग्रह : ज्योतिष मठ संस्थान के विकास व अनुसंधान कार्यों में आर्थिक सहयोग प्रदान करें एवं संस्थान के सदस्य बनें। सहयोग राशि बैंक खाता क्रमांक 61211920616 IFSC-SBIN0010468 में जमा कर हमें सूचित करें।

संस्थान द्वारा पंचांग के अतिरिक्त अन्य प्रकाशित पुस्तकें जैसे, महालक्ष्मी पूजा पद्धति, कुंभ रहस्यम्, संतान प्राप्ति रहस्यम्, श्राद्ध रहस्यम्, नवग्रह रहस्यम्, विवाह पद्धति आदि डाक से घर बैठे प्राप्त करें।

अंत में श्रद्धा सुमन

धर्मआभा श्रद्धांजलि विशेषांक के संपादन-प्रकाशन में विशेष आवश्यकता मन मस्तिष्क के संयम, शांति एकाग्रता, ध्यान एवं समर्पण का होना अति आवश्यक था। मुझे गर्व है कि मैं श्रद्धांजलि विशेषांक के संपादन में उपरोक्त विषयों पर चिन्तन-मनन करने में विजय प्राप्त कर सका। अपितु किसी विषयांतर्गत त्रुटि हेतु क्षमाकांक्षी हूं। जय गुरुदेव।